

मानसिक स्वास्थ्य की निरंतर देखभाल की जरूरत: डॉ. दहिया

हरिभूमि न्यूज >>> गोहाणा

भगत फूल सिंह महिला विवि के मनोविज्ञान विभाग में मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने संदेश में इस कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि छात्राओं के शैक्षणिक विकास में इस प्रकार के कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि, एमडीयू रोहतक से मनोविज्ञान की वरिष्ठ प्रो. डॉ. सोनिया मलिक ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन पर



मनोविज्ञान विभाग में आयोजित कार्यशाला के दौरान मुख्य अतिथि के साथ प्रतिभागी।

मानसिक स्वास्थ्य का व्यापक प्रभाव पड़ता है। मानसिक स्वास्थ्य स्थिर नहीं है, बल्कि इसे निरंतर ध्यान और देखभाल की आवश्यकता होती है। प्रो. सोनिया मलिक ने छात्राओं को मनोविज्ञान के क्षेत्र में मौजूद विभिन्न रोजगार अवसरों से भी अवगत कराया। उन्होंने वर्तमान समय में अपने

कौशल को पहचान कर निखारने की आवश्यकता पर बल दिया। मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. वरुणा दहिया ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य एक पूर्ण, संतुलित और कार्यात्मक जीवन की नींव है। जिस तरह हम व्यायाम, आहार और आराम के माध्यम से अपने शरीर की देखभाल करते हैं।



कार्यशाला के दौरान मुख्य अतिथि के साथ प्रतिभागी ।

बीपीएस विश्वविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर प्राथमिकता विषय पर कार्यशाला का आयोजन

गोहाना, 28 नवम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गाँव खानपुर कलां भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा की छात्राओं के शैक्षणिक विकास में इस प्रकार के कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्य अतिथि, एमडीयू रोहतक से मनोविज्ञान की सीनियर प्रोफेसर डॉ. सोनिया मलिक ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन पर मानसिक स्वास्थ्य का व्यापक प्रभाव पड़ता है। मानसिक स्वास्थ्य स्थिर नहीं है, बल्कि इसे निरंतर ध्यान और देखभाल की आवश्यकता होती है। प्रो. सोनिया मलिक ने छात्राओं को मनोविज्ञान के क्षेत्र में मौजूद विभिन्न रोजगार अवसरों से भी अवगत कराया। प्रारंभ में मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. वरुणा दहिया ने स्वागत संबोधन किया। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य एक पूर्ण, संतुलित और कार्यात्मक जीवन की नींव है। जिस तरह हम व्यायाम, आहार और आराम के माध्यम से अपने शरीर की देखभाल करते हैं, उसी तरह हमें मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। इस अवसर पर सचिन पंवार सहित मनोविज्ञान विभाग तथा मास्टर्स ऑफ एजुकेशन की छात्राएं उपस्थित रही।

अजीत समाचार 29-Nov-2024
Page: 10

उत्तर भारत का सम्पूर्ण अखबार

http://www.ajitsamachar.com/20241129/27/10/1_1.cms



India to Thailand

View Now

from Rs12,100

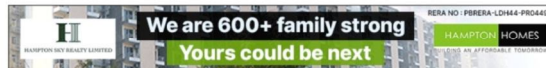
Home / Hindi News / वर्तमान समय में अपने कौशल को पहचान कर निखारने की आवश्यकता: प्रो. सोनिया मलिक

Play / Stop Audio .j3

वर्तमान समय में अपने कौशल को पहचान कर निखारने की आवश्यकता: प्रो. सोनिया मलिक

'मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता' विषय पर कार्यशाळा आयोजित।

Girish Saini Nov 28, 2024 09:08



खानपुर कला, गिरिषा सेनी। भगत फूल सिंह महिला विवि के मनोविज्ञान विभाग में - 'मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाळा में बतौर मुख्य अतिथि, एमडीएच रोहतक से मनोविज्ञान की सोनियार प्रोफेसर डॉ. सोनिया मलिक ने शिरकत की।।

महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेव ने अपने संबोधन में इस कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दी और कहा कि छात्राओं के शैक्षणिक विकास में इस प्रकार के कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुख्य अतिथि प्रो. सोनिया मलिक ने अपने प्रभावशाली संबोधन में मनुष्य जीवन पर पड़ने वाले मानसिक स्वास्थ्य के प्रभाव पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य स्थिर नहीं, बल्कि इसे निरंतर ध्यान और देखभाल की आवश्यकता होती है। प्रो. सोनिया मलिक ने छात्राओं को मनोविज्ञान के क्षेत्र में मौजूद विभिन्न रोजगार अवसरों की जानकारी भी दी। उन्होंने वर्तमान समय में अपने कौशल को पहचान कर निखारने की आवश्यकता पर बत दिया।

प्रारंभ में मनोविज्ञान विभागध्यक्षा डॉ. वरुणा दहिया ने ने स्वागत संबोधन किया। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य एक पूर्ण, संतुलित और कार्यात्मक जीवन की नींव है और हमें मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। इस दौरान सचिन पंवार सहित मनोविज्ञान विभाग तथा मार्सेल ऑफ एडुकेशन की छात्राएं मौजूद रही।

Tags: [need to identify](#) [hone one's skills](#) [present times](#)

RELATED POSTS



सैनिक आश्रम पर भेदभाव के विरुद्ध छात्राओं ने निकाली रैली



इंटर कॉलेज शतरंज में हिंदू कॉलेज की टीम तृतीय



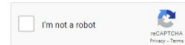
अगतिप की एमडीएच इकाई घोषित, प्रियंका बनी अध्यक्ष

COMMENTS

Name

Email

Comment



Post Comment

POPULAR POSTS

Weekly Posts



A mass pays tribute to freedom fighter Ch. Ranbir Singh...



Drug-Free Punjab Cycle Rally reached Jalandhar



Rooftop solar power plants to be installed in all govt...



Watch, Answer, Win: Sun Neo Launches a Special Prime-Time...



Himachal CM seeks special industrial package

FOLLOW US

Facebook

X (Twitter)

LinkedIn

Youtube

Email

RECOMMENDED POSTS



Resisting the new colonial masters: How India's sovereignty...



Vikrant Massey talks about responsibility of media as the...



Your love for sarees may raise risk of skin cancer, warns...



How kidney problems raise risk of strokes



Limiting sugar consumption early can prevent chronic disease...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com



मानसिक स्वास्थ्य पर निरंतर ध्यान देने की आवश्यकता : डा. मलिक

गोहाना, 28 नवम्बर (अरोड़ा): गुरुवार को बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि, एमडीयू रोहतक से मनोविज्ञान की सीनियर प्रोफेसर डॉ. सोनिया मलिक ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन पर मानसिक स्वास्थ्य का व्यापक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य स्थिर नहीं है, बल्कि इसे निरंतर ध्यान और देखभाल की आवश्यकता होती है।

प्रो. सोनिया मलिक ने छात्राओं को मनोविज्ञान के क्षेत्र में मौजूद विभिन्न रोगाणु अवसरों से भी अवगत कराया। उन्होंने वर्तमान समय में अपने कौशल



मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता पर हुई कार्यशाला में प्रातिभागी छात्राएं अतिथियों के साथ। (अरोड़ा) को पहचान कर निखारने की आवश्यकता पर बल दिया।

महिला विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की एच.ओ.डी. डा. वरुणा दहिया ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य एक पूर्ण, संतुलित और कार्यात्मक जीवन की नींव है। जिस तरह हम व्यायाम, आहार और आराम के

माध्यम से अपने शरीर की देखभाल करते हैं। उसी तरह हमें मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। इस अवसर पर मनोविज्ञान विभाग तथा मास्टर ऑफ एजुकेशन की छात्राएं उपस्थित रही। महिला विश्वविद्यालय की बी.पी.एस. सुदेश ने अपने संदेश में इस कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दीं।

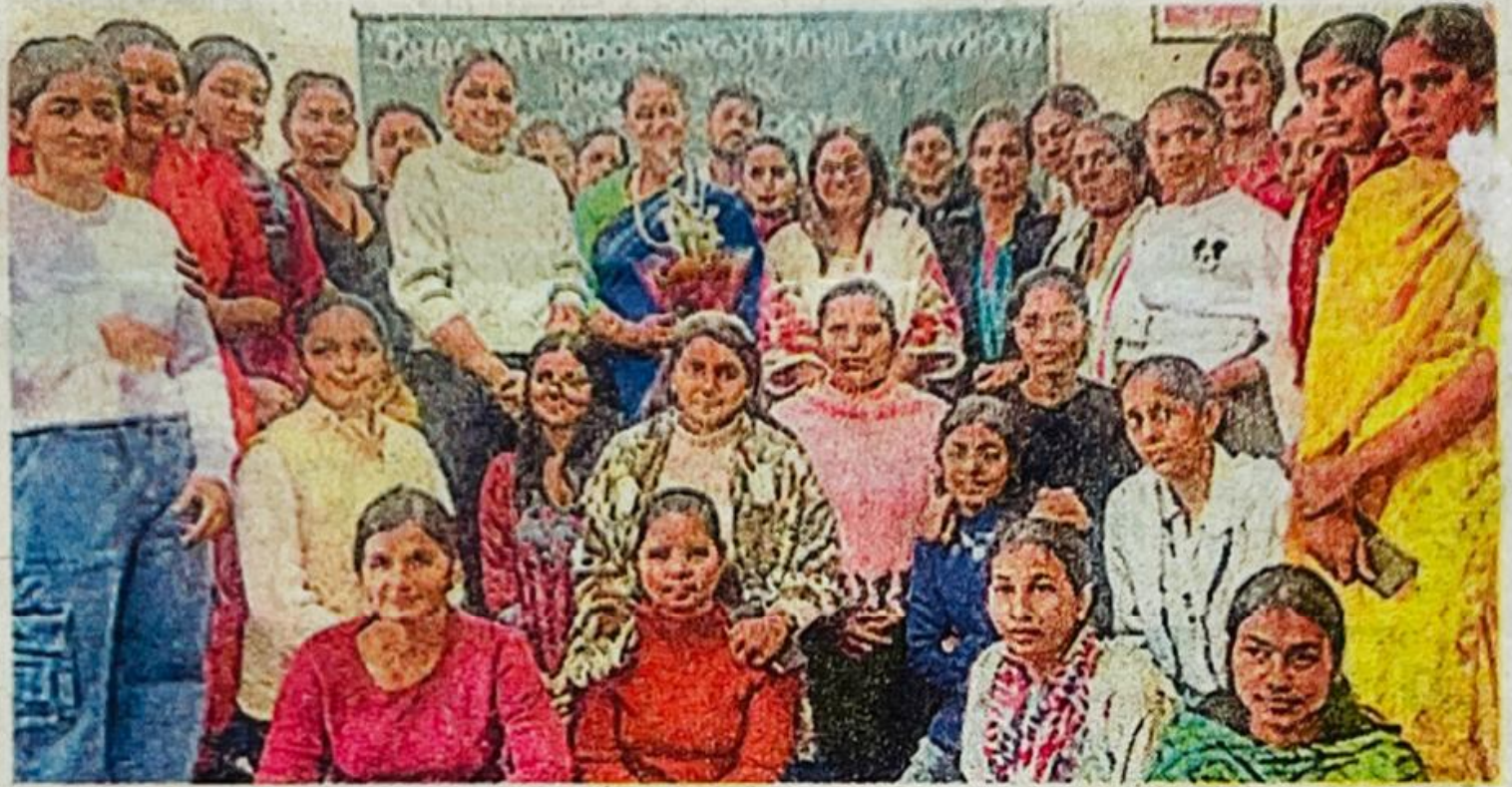
मानसिक स्वास्थ्य को लेकर कार्यशाला का हुआ आयोजन

जासं, गोहाना : गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि, एमडीयू रोहतक से मनोविज्ञान की वरिष्ठ प्रोफेसर डा. सोनिया मलिक ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन पर मानसिक स्वास्थ्य का व्यापक प्रभाव पड़ता है। मानसिक स्वास्थ्य स्थिर नहीं है, बल्कि इसे निरंतर ध्यान और देखभाल की आवश्यकता होती है। उन्होंने वर्तमान समय में अपने कौशल को पहचान कर निखारने की आवश्यकता पर बल दिया। मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्षा डा. वरुणा दहिया ने कहा कि मानसिक जिस तरह हम व्यायाम, आहार और आराम के माध्यम से अपने शरीर की देखभाल करते हैं, उसी तरह हमें मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता देनी चाहिए।

निरंतर ध्यान और देखभाल की आवश्यकता

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में एमडीयू रोहतक से मनोविज्ञान की वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. सोनिया मलिक ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य स्थिर नहीं है, बल्कि इसे निरंतर ध्यान और देखभाल की आवश्यकता होती है। विभागाध्यक्ष डॉ. वरुणा दहिया ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य एक पूर्ण, संतुलित और कार्यात्मक जीवन की नींव है। जिस तरह हम व्यायाम, आहार और आराम के माध्यम से अपने शरीर की देखभाल करते हैं, उसी तरह हमें मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। संवाद

‘मानसिक स्वास्थ्य मानव जीवन को प्रभावित करता है’



गोहाना | खानपुर कलां स्थित बीपीएस महिला विवि में मनोविज्ञान विभाग में मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि, एमडीयू रोहतक से मनोविज्ञान की वरिष्ठ प्रो. डॉ. सोनिया मलिक ने कहा कि मनुष्य जीवन पर मानसिक स्वास्थ्य का व्यापक प्रभाव पड़ता है। मानसिक स्वास्थ्य स्थिर नहीं है, बल्कि इसे निरंतर ध्यान और देखभाल की आवश्यकता होती है। उन्होंने वर्तमान समय में अपने कौशल को पहचान कर निखारने की आवश्यकता पर बल दिया। मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. वरुणा दहिया ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य एक पूर्ण, संतुलित और कार्यात्मक जीवन की नींव है। जिस तरह हम व्यायाम, आहार और आराम के माध्यम से अपने शरीर की देखभाल करते हैं, उसी तरह हमें मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। इस अवसर पर विवि की कुलपति प्रो. सुदेश, सचिन पंवार आदि उपस्थित थे।

‘मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता’ विषय पर कार्यशाला आयोजित

वर्तमान समय में अपने कौशल को पहचान कर निखारने की आवश्यकता: प्रो. सोनिया मलिक



खानपुर कला, चेतना संवाददाता। भगत फूल सिंह महिला विवि के मनोविज्ञान विभाग में - मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि, एमडीयू रोहतक से मनोविज्ञान की सीनियर प्रोफेसर डॉ. सोनिया मलिक ने शिरकत की। महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने संदेश में इस कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दी और कहा कि छात्राओं के शैक्षणिक विकास में इस प्रकार के कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुख्य अतिथि प्रो. सोनिया मलिक ने अपने प्रभावशाली संबोधन में मनुष्य जीवन पर पड़ने वाले मानसिक स्वास्थ्य के प्रभाव पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि

विभिन्न रोजगार अवसरों की जानकारी भी दी। उन्होंने वर्तमान समय में अपने कौशल को पहचान कर निखारने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रारंभ में मनोविज्ञान विभागाध्यक्षा डॉ. वरुणा दहिया ने ने स्वागत संबोधन किया। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य एक पूर्ण, संतुलित और कार्यात्मक जीवन की नींव है और हमें मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। इस दौरान सचिन पंवार सहित मनोविज्ञान विभाग तथा मास्टर्स ऑफ एजुकेशन की छात्राएं मौजूद रही।